

# हिंदी साहित्य का इतिहास

स्वामी विवेकानंद गर्ल्स कॉलेज, रूपनगढ़

विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता, हिंदी साहित्य)

बी.ए. प्रथम वर्ष (सेमेस्टर-1)



# हिंदी साहित्य: एक सांस्कृतिक यात्रा



हिंदी साहित्य भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह सदियों से भावनाओं, विचारों और सामाजिक परिवर्तनों का साक्षी रहा है।

- प्राचीन संस्कृत साहित्य से प्रभावित
- प्राकृत और अपभ्रंश का विकास
- देशी और विदेशी संस्कृतियों का मिश्रण

# चार प्रमुख काल



## आदिकाल

10वीं से 14वीं शताब्दी

हिंदी का उद्गम और प्रारंभ



## भक्तिकाल

14वीं से 17वीं शताब्दी

भक्ति आंदोलन का स्वर्ण युग



## रीतिकाल

17वीं से 19वीं शताब्दी

काव्य की शुद्धता और विधि



## आधुनिक काल

19वीं शताब्दी से वर्तमान

सामाजिक सुधार और नवजागरण

# आदिकाल: हिंदी की नींव

## समयकाल

10वीं से 14वीं शताब्दी तक

## प्रमुख रचनाएँ

पृथ्वीराज रासो, विद्यापति की पदावली

## विशेषताएँ

वीर रस प्रधान, युद्ध और वीरता का वर्णन

## प्रमुख कवि

सूर्यमल्ल मिश्र, चंदबरदाई



# भक्तिकाल: प्रेम और भक्ति का संगीत



समय सीमा

14वीं से 17वीं शताब्दी

दो प्रमुख संप्रदाय

- रामभक्ति संप्रदाय: तुलसीदास, ज्ञानेश्वर
- कृष्णभक्ति संप्रदाय: सूरदास, मीराबाई

विशेषताएँ

सरल भाषा, सामाजिक समानता का संदेश

# रीतिकाल: काव्य की शिल्पकला



सूर्यमल्ल मिश्र

रीतिबद्ध काव्य के जनक



भूषण

वीर रस के प्रधान कवि



देव

शृंगार रस के उत्कृष्ट कवि

17वीं से 19वीं शताब्दी तक हिंदी काव्य की विधियों और छंदों पर ध्यान केंद्रित किया गया। काव्य की शुद्धता और सौंदर्य को प्राथमिकता दी गई।

# आधुनिक काल: सामाजिक जागरण



## प्रथम चरण

1857-1918: राष्ट्रीय चेतना



## द्वितीय चरण

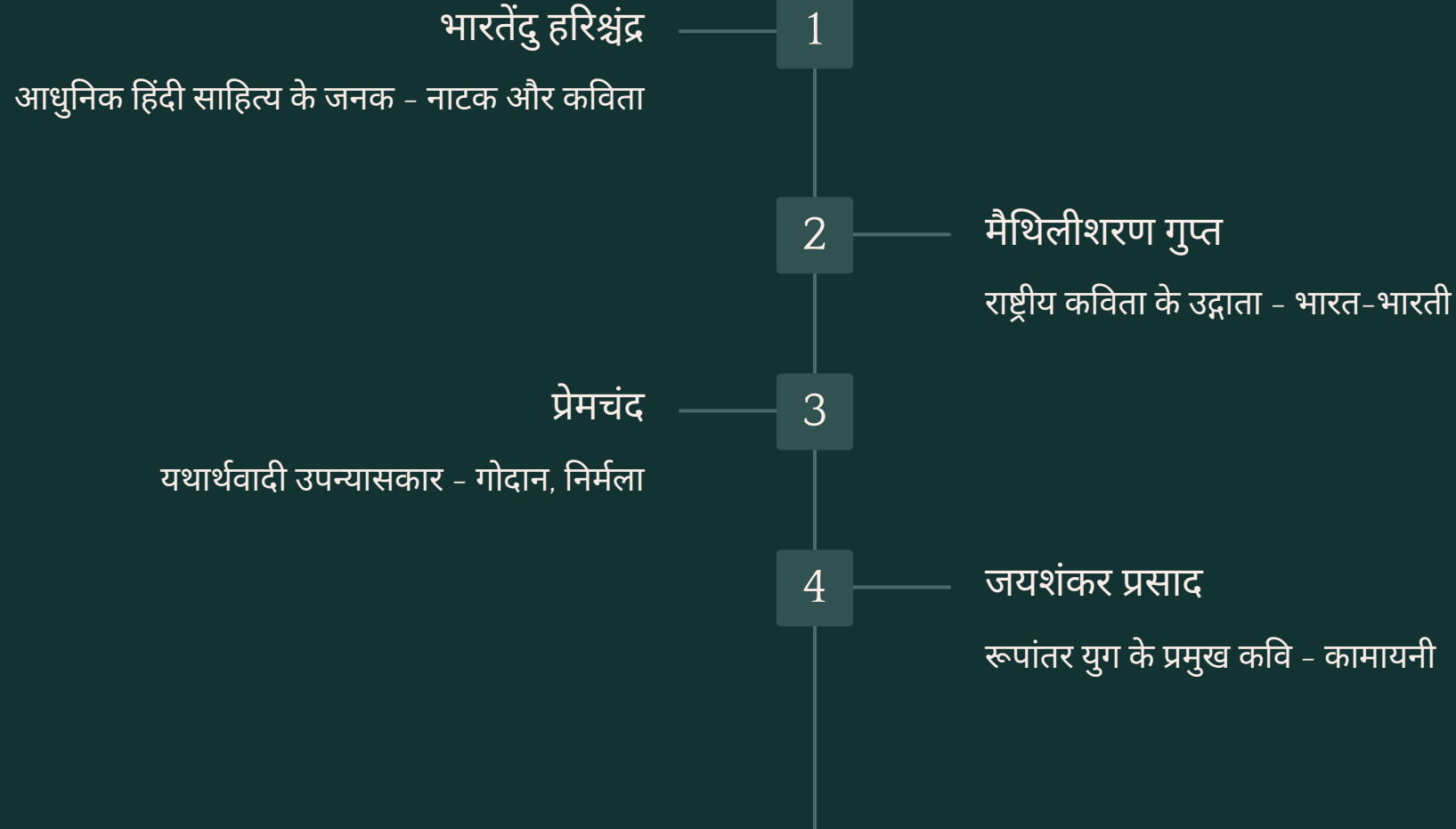
1918-1947: स्वतंत्रता संग्राम



## तृतीय चरण

1947-वर्तमान: नयी पीढ़ी

# आधुनिक काल के प्रमुख लेखक



# हिंदी साहित्य का विकास

01

## प्राचीन युग

संस्कृत प्रभाव में प्राकृत और अपभ्रंश

02

## मध्यकालीन

भक्ति और सूफी आंदोलनों का उदय

03

## आधुनिकीकरण

उर्दू, फारसी और पाश्चात्य प्रभाव

04

## स्वतंत्रता

राष्ट्रवादी और सामाजिक साहित्य





# निष्कर्ष

सांस्कृतिक विरासत

हिंदी साहित्य भारतीय संस्कृति का  
अमूल्य खजाना

सामाजिक प्रेरणा

समाज को जागरूक करने का साधन

निरंतर विकास

समय के साथ बदलता हुआ रूप

धन्यवाद!